



EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

“EPCH HOUSE” POCKET-6 & 7, SECTOR-C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256

Email: mails@epch.com

Fax: 91-11-26135518, 26135519

Web: www.epch.in

PRESS RELEASE

EPCH TO PARTICIPATE IN THE 9-DAY-LONG “AF-L'ARTIGIANO IN FIERA” BEGINNING TOMORROW IN MILAN, ITALY

New Delhi – November 29, 2013 -- The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) - the nodal agency for the promotion and development of handicrafts exports from the Country - is setting up EPCH Pavilion in Milan, Italy in “AF-L'ARTIGIANO IN FIERA” from November 30 to December 8, 2013.

The India Pavilion will be opened in the presence of Mr. Manish Prabhat, Consul General of India in Milan, Italy on the 30th November 2013 at the AFL Artigiano Fair, at Fieramilano (Rho-Però).

AF- L'Artigiano in Fiera, is one of the largest trade show dedicated to quality craftsmanship. The event, organized by Ge.Fi. will gather more than 2,900 exhibitors from 113 countries with products.

The most important aspect will be exhibition of Indian hand crafted products displaying product range of textiles, furnishing, fabrics, costume jewellery and accessories, Kashmiri products and handicrafts, Christmas decorations, incense, home decoration and giftware, furniture and fixtures etc.

Eighteen Indian companies including the Central Cottage Industries Corporation of India Ltd. (CCIC), TRIFED, Himachal Pradesh State Handicrafts & Handloom Corporation Ltd. shall be displaying their product range which will be colourful, ethnic and modern in designs, exquisite craftsmanship at most competitive price and quality at this exhibition. Most of the products will be for sale and also for order booking for future supplies.

Mr. Rakesh Kumar, Executive Director of EPCH stated that the most attractive component of this exhibition will be demonstration by the three Master Craftspersons (winners of National Award/President's Merit Certificate) showing master pieces of Wood Carving from Delhi, Phad Miniature Painting from Jaipur in Rajasthan and Cane & Bamboo from Delhi. Most of the produce of the crafts persons giving demonstration at the exhibition venue will be available for sale and purchase to visitors.

Handicrafts of India have been known the world over for the exquisite and intricate craftsmanship. The Indian Handicrafts industry has been contributing substantially to the exports of India as also providing employment in the rural areas as well as city. More than six million Craftsperson's are directly employed in the sector all over the country. Many millions are indirectly employed by the handicrafts sector in India in various aspects of manufacturing, processing, designing, packaging, presentation, research and analysis, marketing, shipping and exports, he added.

The main exports markets for India for handicrafts are USA followed by EU, Middle East, Far East and Latin American Countries (LAC) and Caribbean countries. Indian Craftsmanship, ethnic designs and colours are unique and have no comparison with other countries. The range produced in India is very large and wide and the quality and price structure varies from high-end market, middle end market to low-end market.

India's handicrafts are being sold in the developed economies of the world through departmental and chains stores like SOGO of Japan, MACY, Bloomingdales, J.C. Penny of USA, Karstad of Germany, Marks and Spencers of UK and many other leading importers and distributors like Walmart, Pier1, Carrefour, May departmental stores, Gallerie Lafayette of France etc.

The Executive Director further elaborated that European countries specially Italy has been traditional market for the Indian handicrafts. The exports of handicrafts has increased to USD million 1312 during 2012-13. The average exports growth in exports of handicrafts from India has remained between 15 - 16% per annum. The exports through Italy was of USD 87.05 million during the 2011-12 which increased to USD 110.47 million during 2012-13.

Indian hand crafted products are already selling in Italian markets made out of metals, wood, textiles ranging from utilities items, furnishing and fabrics, fabrics for dresses and garments, costume jewelery, furniture and fixtures accessories, fashion made-ups and fashion accessories, decoratives, gifts, paintings, embroidered products for daily use and many more items.

Mr. Rakesh Kumar further mentioned that the objective of participating in AFL Artigiano in Fiera is multifold viz. to promote Indian Art and Culture, hand crafts products developed over the years predominantly, religion, tradition and customs and skills. It is hoped that the participation will be a grand success in spreading awareness about various facets of Indian living, culture and heritage product range available from India meeting the requirements of Italians and other European markets.

It is expected that participation in “AF-L'ARTIGIANO IN FIERA”, MILAN, ITALY will lead to a growth in Indo-Italian Trade and Cultural relations.

For further information, please contact:

Mr. Rakesh Kumar, Executive Director, EPCH at 91-9818272171

REISSUING HINDI VERSION OF MILAN STORY WITH CORRECTION IN

PARA SEVEN SUBSTITUTING WORDS WITH “Latin American Countries (LAC)”

प्रेस विज्ञप्ति

इटली के मिलान में कल से शुरू 9 दिवसीय एएफएल आर्टिजिनो मेले में भाग लेगा ईपीसीएच

नई दिल्ली - 29 नवंबर 2013 - देश से हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और इसका विकास करने वाली नोडल एजेंसी हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) इटली के मिलान में 30 नवंबर से 8 दिसंबर 2013 तक चलने वाले एएफएल आर्टिजिनो मेले में ईपीसीएच पैवेलियन बनाने जा रही है।

फिएरा-मिलानो (रो-पेरो) में होने वाले इस मेले में भारत की ओर से यह पैवेलियन इटली में भारत के महावाणिज्य दूत श्री मनीष प्रभात की उपस्थिति में खोला जाएगा।

एएफएल आर्टिजिनो गुणवत्ता शिल्प कौशल के लिए समर्पित सबसे बड़े व्यापार मेलों में से एक है। इसमें अपने उत्पादों की प्रदर्शनी के लिए दुनियाभर के 113 देशों से 2,900 से अधिक प्रदर्शक जुटेंगे। हाथ से तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी में खास तौर पर भारत की ओर से वस्त्र उद्योग के बड़ी रेंज, फैबरिक्स, कॉस्ट्यूम जूलरी, कश्मीरी उत्पाद, हस्तशिल्प उत्पाद, क्रिसमस की सजावट, सुगंध, घर की सजावट और गिफ्टवेयर, फर्नीचर और जुड़नार प्रदर्शित किए जाएंगे।

सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन इंडिया लिमिटेड (सीसीआईसी), ट्राइफेड, हिमाचल प्रदेश राज्य हस्तशिल्प एवं हथकरघा निगम लिमिटेड सहित 18 भारतीय कंपनियां इस समारोह में अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगी। ये कंपनियां विभिन्न रंगों, डिजाइन और आधुनिक हस्तशिल्प के नमूनों की एक बड़ी रेंज प्रदर्शित करेंगी। इस प्रदर्शनी में उत्कृष्ट शिल्प कौशल में प्रतिस्पर्धी मूल्य और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। ज्यादातर उत्पादों को बिक्री के लिए रखा जाएगा और इसके अलावा भविष्य में आपूर्ति के लिए बुकिंग ऑर्डर भी लिए जाएंगे।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राकेश कुमार ने कहा कि इस प्रदर्शनी की सबसे आकर्षक बात यह होगी कि तीन मास्टर शिल्पकार, जो राष्ट्रीय पुरस्कार और राष्ट्रपति के मेरिट प्रमाणपत्र पा चुके हैं, प्रदर्शनी में मास्टरपीस उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे, जिसमें दिल्ली की लड़की पर नक्काशी, राजस्थान के जयपुर की फाड़ लघु चित्रकारी और दिल्ली से बेंत और बांस शामिल होंगे। प्रदर्शनी स्थल पर प्रदर्शन करने के लिए रखे शिल्पकारों के उत्पादों का अधिकांश हिस्सा आगंतुकों के लिए बिक्री और खरीद के लिए उपलब्ध होगा।

श्री राकेश कुमार ने आगे कहा कि भारत के हस्तशिल्पकार उत्तम और जटिल शिल्प कौशल के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। भारतीय हस्तशिल्प उद्योग ने भारत का निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में

रोजगार उपलब्ध कराने में काफी योगदान दिया है. देश भर में इस क्षेत्र में 60 लाख से ज्यादा हस्तशिल्पी कार्यरत हैं. इसके अलावा उत्पादन, प्रसंस्करण, डिजाइन, पैकेजिंग, प्रस्तुति, अनुसंधान और विश्लेषण, विपणन, शिपिंग और निर्यात के विभिन्न पहलुओं को यदि देखा जाए तो कई लाखों लोग परोक्ष रूप से भी इससे रोजगार चला रहे हैं.

हस्तशिल्प के लिए भारत के लिए मुख्य निर्यात बाजारों में अमरीका और इसके बाद यूरोपीय संघ, मध्य पूर्व, सुदूर पूर्व और Latin American Countries (LAC) और कैरेबियाई देश शामिल हैं. भारतीय शिल्प कला का कौशल, इसके डिजाइन और रंग अद्वितीय हैं और अन्य देशों के शिल्प के साथ इसकी कोई तुलना नहीं है. भारत में उत्पादित रेंज बहुत बड़ी और व्यापक है. यही नहीं इसकी गुणवत्ता और कीमत संरचना सभी प्रकार के बाजारों (उच्च, मध्य और निम्न) के लिए उपयुक्त है.

भारत के हस्तशिल्प डिपार्टमेंटल और चेन स्टोर के माध्यम से दुनिया की विकसित अर्थव्यवस्थाओं में बेचे जा रहे हैं. ये हस्तशिल्प जापान में सोगो, संयुक्त राज्य अमेरिका में मैसी, ब्लूमिंगडेल्स, जे सी पेनी, जमर्नी में कारस्टैड, मार्क्स और इंग्लैंड में स्पेंसर्स के अलावा वालमार्ट, पिएर वन कैरेफोर जैसे और भी कई चेन स्टोर्स पर बेचे जा रहे हैं.

कार्यकारी निदेशक ने आगे विस्तार से बताया कि यूरोपीय देशों विशेष रूप से इटली में भारतीय हस्तशिल्प के लिए पारंपरिक बाजार बहुत बड़ा है. यहां भारतीय हस्तशिल्प को दोनों हाथों से स्वीकार किया जाता है. हस्तशिल्प का निर्यात 2012-13 के दौरान 1312 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया है. भारत से हस्तशिल्प के निर्यात में औसत निर्यात वृद्धि 15 से 16 % प्रतिवर्ष के बीच बनी हुई है. इटली के माध्यम से निर्यात 2012-13 के दौरान 110.47 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा है जो वर्ष 2011-12 के दौरान 87.05 मिलियन अमेरिकी डॉलर था.

हाथ से तैयार भारतीय उत्पाद इटली के बाजार में पहले से ही धूम मचाए हुए हैं. इनमें धातु, लकड़ी और फैब्रिक से बने यूटिलिटी आइटम्स, फर्नीचर, कपड़े, ड्रेसेज के लिए फैब्रिक्स, आभूषण, जुडनार सामान, फैशन मेकअप और फैशन के सामान, सजावटी कपड़ा, उपहार, पेंटिंग, दैनिक उपयोग की और भी कई सारी चीजें शामिल हैं.

श्री राकेश कुमार ने इसके बाद यह भी बताया कि फिएरा के एएफएल आर्टिजिएनो मेले में भाग लेने के कई उद्देश्य हैं. इन उद्देश्यों में भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देना, साल दर साल हस्तशिल्प कला में विकास, धर्म, परंपरा और रीति रिवाजों और कौशल से दुनिया को रूबरू कराना भी है. उन्होंने आशा व्यक्त की कि इससे इटली और अन्य यूरोपीय बाजारों की जरूरतों को पूरा करने में भारत की महत्ता और इसके बारे में जागरूकता फैलेगी. इसके साथ ही भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में भी दुनिया जान सकेगी.

ऐसी उम्मीद है कि इस मेले में भागीदारी से भारत और इटली के बीच व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों में मजबूती आएगी.

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

श्री राकेश कुमार, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच फोन नंबर 91-9818272171